द्रोपदी हो दुखारी पुकारी यही

द्रोपदी हो दुखारी पुकारी यही, श्याम तुम बिन हमारा सहारा नहीं,
लाज चली जाएगी ऐ विहारी मेरी नाथ दोगे जो हमको सहारा नहीं,
द्रोपदी हो दुखारी पुकारी यही....

भीष्म कर्णआदि गुरु द्रोण बैठे सभी पर कोई ख्याल हमपे तो करता नहीं,
मौन पांचो पति सर झुकाये हुए कह रहे जोर चलता हमारा नहीं,
द्रोपदी हो दुखारी पुकारी यही....

सूत की कोरी सारी मुरारी कहाँ जब कटारी लगी थी तेरे हाँथ में,
आगया वक्त आकर मदत कीजिये वरना कह दो जुबां हमने हारा नहीं,
द्रोपदी हो दुखारी पुकारी यही....

द्रोपदी की वचन सुन बचा लाज ली ऐसे ब्रजराज से बाबू दसरथ कहा,
मेरी पारी पे मोहन ना आओगे जो तो करूँगा मैं तुमको पुकारा नहीं,
द्रोपदी हो दुखारी पुकारी यही....

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/29405/title/dropadi-ho-dukhari-pukari-yahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |